पाठ्यपुस्तक समीक्षा के लिए कुछ बिंदु

1. क्या यह पाठ पाठ्यचर्या में उल्लिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने में कोई भूमिका निभा पा रहा है? किन उद्देश्यों को पूरा करने में योगदान करता हुआ नज़र आता है और किनको नहीं?
2. विज्ञान विषय के ढांचे में यह पाठ कहां फिट होता हुआ प्रतीत होता है?
3. कौन-सी अवधारणाओं को पाठ में शामिल किया गया है? क्या कुछ ऐसी भी अवधारणाएं हैं जो विषयवस्तु की समझ बनाने के दृष्टिकोण से ज़रूरी लगती हैं, लेकिन पाठ में उनको कोई स्थान नहीं दिया गया है? पाठ की विषयवस्तु को निर्धारित करने का क्या आधार हो सकता है?
4. क्या पाठ की विषयवस्तु उस कक्षा के स्तर पर चर्चा करने के लिए उपयुक्त लगती है? क्या पाठ की भाषा इतनी स्पष्ट है कि उस उम्र के बच्चों को समझ में आएगी?
5. बच्चों के पूर्व ज्ञान के बारे में क्या मान्यता लग रही है? इस पाठ को पढ़ने वाले बच्चों से पहले से क्या-क्या मालूम होने की अपेक्षा है?
6. बच्चों के सामाजिक-आर्थिक परिवेश के बारे में क्या मान्यता लग रही है? किन सामाजिक-आर्थिक संदर्भों को पाठ में ठीक से शामिल किया गया है और किनको नहीं?
7. पाठ की विषयवस्तु में तथ्यात्मक या तकनीकी गड़बड़ी भी हो सकती है, उसे पकड़ने की भी कोशिश करें।
8. क्या पाठ की विषयवस्तु को ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया है - मसलन क्या किसी अवधारणा को सिखाने के लिए इस बात पर विमर्श किया गया है कि उस अवधारणा का विकास कैसे हुआ? क्या बच्चे यह पाठ पढ़ने के बाद यह समझ पाएंगे कि इतिहास में इन विचारों पर समझ कैसे बनी?
9. पाठ में किन मूल्यों को बढ़ावा दिया गया है? पाठ पढ़ने के बाद बच्चों से किन मूल्यों को सीखने की अपेक्षा है? क्या पाठ में व्यापक सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों की ओर भी ध्यान खींचने की कोशिश की गई है?
10. इस पाठ को पढ़ने के बाद बच्चों के दिमाग में विज्ञान की क्या छवि बनने की संभावना है?
11. क्या पाठ में दी गई गतिविधियां प्रासंगिक हैं? क्या कोई ऐसी भी गतिविधि है जो कुछ गड़बड़ है या जिसे करने में कोई अड़चन आ सकती है?
12. क्या पाठ में शामिल चित्र, फोटो या अन्य रेखाचित्र पाठ की विषयवस्तु को समझने में मदद कर रहे हैं या सिर्फ साज़-सज्जा का काम कर रहे हैं? अगर चित्रों में कोई गलती समझ में आये तो उसे भी नोट करें।
13. परीक्षा में इस पाठ के लिए कितने अंक निर्धारित होते हैं और इस पाठ से किस तरह के प्रश्न पूछे जाते हैं?
14. क्या पाठ के पीछे दिए गए प्रश्न बच्चों को सोचने पर मजबूर करते हैं और सीखी हुई अवधारणाओं को अलग-अलग स्थितियों में उपयोग करने के अवसर देते हैं या बच्चे सिर्फ रटकर उन प्रश्नों का उत्तर दे पाएंगे?
15. सीखने-सिखाने का तरीका -
    a) पाठ में बच्चों को सवाल पूछने, अपने अनुभव साझा करने, एक-दूसरे से तर्क करने, किसी वैज्ञानिक कथन या तर्क की प्रामाणिकता की जांच करने के क्या अवसर उपलब्ध कराए गए हैं?
    b) क्या यह पाठ बच्चों को अपने हाथ से कुछ करने और सीखने के अवसर देता है?
    c) क्या पाठ में बच्चों को संबंधित विषयवस्तु पर खुद से जानकारी इकट्ठा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है या उनसे सिर्फ दी गई जानकारी को याद करने की अपेक्षा है?
    d) क्या पाठ में बच्चों को विज्ञान करने के विभिन्न तरीकों जैसे- प्रयोग करना, आंकड़ों का विश्लेषण करना, सांख्यिकी आदि का इस्तेमाल करने और सीखने के अवसर मिल रहे हैं?
    e) क्या पाठ संबंधित विषयवस्तु पर एक दृष्टिकोण की पैरवी कर रहा है या देखने के विभिन्न नज़रियों को प्रस्तुत किया गया है?
16. क्या आपको इस पाठ को नए सिरे से लिखे जाने की जरूरत लगती है? आपको ऐसा क्यों लगता है?
17. अगर आपको इस पाठ में अपने संदर्भ के बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कुछ फेरबदल करने का मौका मिले, तो आप पाठ में क्या बदलाव करना चाहेंगे? मतलब, किन मुद्दों या अवधारणाओं पर ज़ोर देंगे, किस तरह के उदाहरण शामिल करेंगे, पढ़ाने का तरीका कैसा रहेगा, बच्चों का मूल्यांकन कैसे करेंगे, आदि।